सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

DGR Detective Group Report

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 45 | इंदौर, गुरुवार 28 अगस्त, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

गणेश चतुर्थी पर इंदौर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लड्डू प्रसाद खिलाकर अभिनन्दन किया गया।

Headline

- US: 'ट्रंप ने भारत पर बेवजह साधा निशाना, चीन ने रूस से ज्यादा तेल खरीदा', डेमोक्रेट्स ने टैरिफ को बताया मनमाना
- Delhi Crime: न्यू अशोक नगर में एनकाउंटर, स्पेशल सेल ने लॉरेन्स गैंग के दो बदमाश पकड़े; एक के पैर में लगी गोली
- Delhi Flood Alert: दिल्ली में बाढ़ की चेतावनी, खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना; अभी और बढ़ेगा नदी का जलस्तर!

नपा और नगर परिषद अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रोकने की मोहन सरकार की तैयारी

इस फैसले रुकेगी 'बगावत'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। अब नगर सरकार से 'बगावत' करने वालों का मुंह बंद करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने नया पैंतरा चल दिया है। नगरपालिका और नगर परिषद अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को रोकने के लिए अध्यादेश लाने की तैयारी जोरों पर है। इस अध्यादेश में ऐसा प्रावधान होगा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शिकायतों के आधार पर पद से नहीं हटाया जा सकेगा। इससे संबंधी एक प्रस्ताव को कैबिनेट की मीटिंग में स्वीकृति प्रदान की गई है।

तब यह था नियम

आपको बता दें कि करीब 1 वर्ष पहले तक नपा या नगर परिषद के अध्यक्ष को हटाने के लिए नियम था। इसमें निर्वाचन के दो साल बाद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता था। साथ ही दो-तिहाई बहुमत के साथ पार्षद अविश्वास प्रस्ताव ला सकते थे। लेकिन सरकार ने एक साल पहले ही एक नया नियम लागू किया था। इसके तहत अविश्वास प्रस्ताव लाने की न्यूनतम अवधि दो साल से बढ़ाकर तीन साल कर दी थी। पार्षदों के समर्थन की शर्त भी तीन-चौथाई की गई थी।

अध्यादेश लाने की वजह आई सामने

आपको बता दें कि प्रदेश में वर्ष 2022 में नगर पालिका और परिषद के चुनाव हुए थे। अब जल्द ही

अध्यक्षों का तीन साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। अविश्वास प्रस्ताव लाने का समय होने लगा है। कई निकायों में विरोध के स्वर उठ रहे हैं। प्रदेश के कुछ जिलों में मामले सामने आए। इसमें देवरी में नगर पालिका अध्यक्ष को हटाया गया। वहीं, शिवपुरी नपा में बीजेपी के अधिकतर पार्षद अध्यक्ष के खिलाफ उतरे। साथ ही अविश्वास प्रस्ताव लाने की चेतावनी दी।

इन्हें अविश्वास से परहेज

इधर, कई जिलों में नगर पालिका और परिषद अध्यक्षों को पद जाने का डर सताने लगा है। ऐसे में मध्यप्रदेश नगर पालिका अध्यक्ष संघ ने अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि को तीन साल से बढ़ाकर पूरे पांच साल करने की बात कही है।

मोहन सरकार नगर पालिका और नगर परिषद चुनावों में भी नगर निगम महापौर की तरह जनता सीधे अध्यक्ष चुन सकती है। कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार प्रत्यक्ष प्रणाली से नपा और नगर परिषद अध्यक्ष चुनाव कराने की तैयारी कर रही है।

दिवाली तक इंदौर की सड़कों पर दौड़ेंगी डबल डेकर बसें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में डबल डेकर बसों की सेवा जल्द शुरू होने जा रही है। एआईसीटीएसएल अब खुद बसें खरीदेगा और उन्हें संचालन के लिए बस ऑपरेटर को देगा। इसके लिए टेंडर गणेश उत्सव के दौरान जारी किए जाएंगे। योजना है कि दिवाली तक शहर को डबल डेकर बसों की सुविधा मिल जाए। शुरुआत में इन्हें 7 तय रूटों पर चलाया जाएगा।

प्रोजेक्ट इंजीनियर अभिनव सिंह चौहान ने बताया 'कंपनी जल्द ही डबल डेकर बसों के लिए टेंडर जारी करने जा रही है। इस बार कंपनी खुद बसें खरीदेगी और उन्हें ऑपरेटर को संचालन के लिए

देगी। इसके लिए 7 ऐसे रूट चिह्नित किए गए हैं जहां इन बसों का संचालन सुगमता से हो सके। करीब 10 महीने पहले मुंबई से डबल डेकर बस बुलाकर ट्रायल पूरा किया गया था। लेकिन किसी भी ऑपरेटर ने इन्हें खरीदने में रुचि नहीं दिखाई। दो बार टेंडर निकलने के बावजूद भी कोई कंपनी आगे नहीं आई। इसके बाद 20 दिन पहले हुई बोर्ड बैठक में एआईसीटीएसएल ने फैसला किया कि अब कंपनी स्वयं बसें खरीदेगी और बाद में उन्हें संचालन के लिए ऑपरेटर को सौंपा जाएगा। बस की लंबाई 9 मीटर और ऊंचाई करीब 15 फीट होगी। इसमें कुल 65 यात्री बैठ सकेंगे, जिनमें ऊपरी डेक पर 36 और निचले डेक पर 29 सीटें होंगी। खड़े यात्रियों के लिए 25 हैंडल भी दिए जाएंगे। एयर सस्पेंशन तकनीक से यात्रियों को सफर के दौरान झटके नहीं लगेंगे। एआईसीटीएसएल द्वारा किए गए सर्वे में सामने आया है कि डबल डेकर बसें केवल बड़े और चौड़े मार्गों पर ही चलाई जा सकेंगी। संकरी गलियों और जगहों पर इनकी ऊंचाई के कारण ट्रैफिक सिग्नल, बिजली के तार और अन्य अड़चनों से संचालन संभव नहीं होगा। यह डबल डेकर बस स्विच मोबिलिटी कंपनी का मॉडल EiV22 है, जिसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। बस को पूरी तरह चार्ज होने में 1.5 से 3 घंटे का समय लगेगा। यह लग्जरी बस आधुनिक सुविधाओं से लैस है और यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव देगी। शुरुआत में इसे शहर के दर्शनीय स्थलों की सैर के लिए चलाने की योजना है।

रक्षामंत्री ने बहु-क्षेत्रीय परिचालन एवं प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य और कैपेबिलिटी रोडमैप के लिए संयुक्त मत जारी किया

अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार रहे : राजनाथ सिंह

'आत्मनिर्भरता अब केवल एक नारा ही नहीं है, यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अटूट आधार है'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आधुनिक समय में युद्ध की बढ़ती जटिलताओं और अप्रत्याशितता के पीछे प्रौद्योगिकी एवं आश्चर्य के सम्मिश्रण को मुख्य कारण बताते हुए नए नवाचारों तथा अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने मौजूदा प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करने की भी आवश्यकता जताई है ताकि समय के साथ आगे रहते हुए चला जा सके। रक्षा मंत्री 27 अगस्त को मध्यप्रदेश के डॉ. आंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में युद्ध, संघर्ष और युद्ध लड़ने की कला पर आयोजित अपनी तरह के पहले त्रि-सेवा सम्मेलन रण संवाद को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं रह गए हैं, अब वे अंतरिक्ष व साइबरस्पेस तक फैल गए हैं। उन्होंने कहा कि उपग्रह प्रणालियां, उपग्रह-रोधी हथियार और अंतरिक्ष कमान केंद्र शक्ति के नए साधन हैं। आज हमें सिर्फ रक्षात्मक तैयारी की ही नहीं, बल्कि एक सक्रिय रणनीति की भी आवश्यकता है। श्री सिंह ने कहा कि भविष्य के युद्ध मात्र हथियारों की लड़ाई से नहीं होंगे, बल्कि वे तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का मिला-जुला रूप होंगे। इससे हमारा राष्ट्र प्रौद्योगिकी, रणनीति एवं अनुकूलनशीलता के त्रिकोण में निपुण होगा और वह समृद्ध वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह इतिहास से सीखने और नया इतिहास लिखने का वक्त है; यह भविष्य का अनुमान लगाने तथा उसे आकार देने का समय है। राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अब केवल सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडार का आंकड़ा ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि साइबर युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मानव रहित हवाई यान और उपग्रह आधारित निगरानी भी भविष्य के युद्धों को आकार दे रहे हैं। उन्होंने सटीक निर्देशित हथियारों, वास्तविक समय की खुफिया जानकारी और डेटा-संचालित सूचना को किसी भी युद्ध में सफलता की कुंजी बताया। श्री सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है कि जब तक हम एक नवाचार को पूरी तरह समझ पाते हैं, तब तक दूसरा उभर आता है - जो युद्ध की दिशा को पूरी तरह बदल देता है। उन्होंने कहा कि मानवरहित हवाई

वाहन, हाइपरसोनिक मिसाइलें, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित निर्णय प्रक्रिया ऐसे उपकरणों के उदाहरण हैं, जो आधुनिक समय के संघर्षों में अप्रत्याशित बदलाव ला रहे हैं। इस तथ्य की सबसे खास बात यह है कि अब इसका कोई स्थायी रूप नहीं रह गया है। यह सदैव बदलता रहता है और अपने साथ अनिश्चितता लेकर चलता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह अनिश्चितता ही है जो विरोधियों को उलझन में डाल देती है और अक्सर युद्ध के परिणाम में निर्णायक कारक बन जाती है। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि आज की दुनिया में जो भी देश युद्ध का मैदान तय करता है, वही युद्ध व उसके नियमों को नियंत्रित करता है और अन्य देशों के पास उन शर्तों पर प्रतिक्रिया देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जो उनकी पसंद की भी नहीं होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास युद्धक्षेत्र और युद्ध के नियमों को स्वयं परिभाषित करने का होना चाहिए और विरोधी को वहां लड़ने के लिए बाध्य करना चाहिए, ताकि बढ़त हमेशा अपने पास रहे। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को एक आदर्श उदाहरण और प्रौद्योगिकी-संचालित युद्ध का एक अद्भुत प्रदर्शन बताया। रक्षा मंत्री ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में पनाह लिए आतंकवादियों के खिलाफ दिखाई गई बहादुरी और आक्रामकता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ऐसी कार्रवाई है, जिसकी "शत्रु ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।" उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से बहुत कुछ सीखने को मिला है - चाहे वह आक्रामकता या रक्षात्मक तकनीक हो, परिचालन पद्धतियां हों, त्वरित और कुशल युद्ध प्रबंधन हो, सेनाओं का निर्बाध एकीकरण हो या फिर खुफिया एवं निगरानी के मामले हों, ये सभी भविष्य में किसी भी संघर्ष के लिए मूल्यवान मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आज के युग में सूचना और साइबर युद्ध के महत्व पर प्रकाश डाला है। ऐसे में हमारी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हमारी सूचना व साइबर अवसंरचना भी पहले से और अधिक सशक्त बनाई जाए। उन्होंने कहा कि हमारे बलों की एकजुटता और एकीकरण ने ऑपरेशन की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई है। श्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमें संयुक्त रणनीतिक संचार को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है।'

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय वायु सेना को लंबी दूरी की मिसाइलों से लेकर अगली पीढ़ी के दृश्य सीमा से परे के हथियारों को शामिल करके लगातार सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के बढ़ते उपयोग को देखते हुए काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली ग्रिड को भी और उन्नत किया जा रहा है।

रक्षा मंत्री ने मौजूदा दौर में युद्ध की अप्रत्याशित प्रकृति को देखते हुए घरेलू रक्षा उद्योग को सशक्त बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्र हर परिस्थिति के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई युद्ध 2 महीने, 4 महीने, एक साल, 2 साल और यहां तक कि 5 वर्ष तक भी चलता है, तो हमें पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी क्षमता पर्याप्त हो।'

इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में श्री राजनाथ सिंह ने बहु-डोमेन परिचालनों के लिए संयुक्त मत जारी किया। यह मत भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष, साइबर और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में सशस्त्र बलों के एकीकृत एवं समन्वित रोजगार के लिए आगे का रास्ता दिखाता है। यह संयुक्तता और भविष्य की तत्परता को विस्तार देता है। रक्षा मंत्री द्वारा प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य और कैपेबिलिटी रोडमैप भी जारी किया गया। इसमें 10 वर्ष की अवधि के लिए सशस्त्र बलों की दीर्घकालिक आधुनिकीकरण योजनाओं की रूपरेखा दी गई है, जिसमें क्षमता अंतराल को पाटने व तकनीकी रूप से उन्नत बलों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह रोडमैप रक्षा उद्योग को विभिन्न क्षेत्रों में सशस्त्र बलों की भविष्य की क्षमता पूर्ति आवश्यकताओं का अवलोकन प्रदान करता है। इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा उद्योग और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों को उनके नवाचार व उत्पादन प्रयासों को राष्ट्रीय रक्षा आवश्यकताओं के साथ संरेखित करने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता कम करने तथा यह सुनिश्चित करने में मार्गदर्शन करना है कि सशस्त्र बल भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए इष्टतम रूप से संरचित और सुसज्जित हों। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, पूर्व वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश, विदेशी रक्षा अताशे, विद्वान एवं विचारक, शिक्षाविद तथा रक्षा उद्योग जगत से जुड़े लोग व रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और कई पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

सीडीएस ने रण संवाद में विशेष बलों के संचालन और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत जारी किए

इंदौर। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 27 अगस्त को मध्य प्रदेश के डॉ. अंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित त्रि-सेवा सेमिनार 'रण संवाद' के दौरान विशेष बल और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांतों का विमोचन किया।

कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह भी उपस्थित थे। तीनों सेनाओं की सक्रिय भागीदारी से एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के डॉक्ट्रिन डायरेक्टरेट के तत्वावधान में तैयार किए गए ये सिद्धांत विशेष बल मिशनों और हवाई अभियानों के संचालन के लिए मार्गदर्शन, परिचालन अवधारणाओं और अंतर-संचालन ढांचे को निर्धारित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने तीनों सेनाओं की पेशेवराना अंदाज, अनुकूलनीयता और परस्पर जुड़ाव को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की तथा कहा कि ये सिद्धांत उभरते युद्धक्षेत्र में योजनाकारों, कमांडरों और ऑपरेटरों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ के रूप में काम करेंगे। इन सिद्धांतों का प्रकाशन संयुक्त परिचालन क्षमता को बढ़ाने, सभी सेनाओं में तालमेल लाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सटीकता और दृढ़ता के साथ सामना करने की तत्परता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गंदगी-कचरा फैलाने पर वाइन शॉप और रेस्टोरेंट पर कार्रवाई

◆ **नगर निगम ने किया 30 हजार का स्पॉट फाइन**

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कचरा और गंदगी फैलाने वालों पर नगर निगम की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। बुधवार को जोन-18 में टीम ने 2 जगह कार्रवाई कर 30 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया है।

अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया ने शहर की सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान वार्ड 63 में अग्रसेन चौराहे के पास स्थित मजदूर चौक के सामने बनी कंपोजिट वाइन शॉप की दुकान के बाहर कचरा और गंदगी देखी। इस पर उन्होंने तत्काल स्वास्थ्य अधिकारी राजेश जायसवाल को मौके पर भेजकर स्पॉट फाइन करने को कहा। स्वास्थ्य अधिकारी ने दस मौके पर पहुंचकर कंपोजिट वाइन शॉप पर दस हजार का स्पॉट फाइन करने की कार्रवाई की। महाकाल का रेस्टोरेंट परिसर में भी कचरा और गंदगी मिलने पर यहां पर भी टीम स्पॉट फाइन करने पहुंची, लेकिन रेस्टोरेंट प्रबंधक नहीं पर रेस्टोरेंट को सील किया गया। इसके बाद रेस्टोरेंट के मालिक यहां आए और कचरा-गंदगी फैलाने पर 20 हजार रुपए का स्पॉट फाइन वसूल करने के बाद रेस्टोरेंट को खोला गया। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी सहित सहायक सीएसआई शोभरन खरे, क्षेत्रीय दरोगा एवं एनजीओ की टीम मौजूद रही।

लापता श्रद्धा के लिए 51 हजार का इनाम

परिजन ने टांगी सोनम की तरह उल्टी तस्वीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एमआईजी क्षेत्र से गुजराती कॉलेज की सेकेंड ईयर की छात्रा श्रद्धा तिवारी पिछले 5 दिन से लापता है। परिजनों ने उसकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद में घर के बाहर श्रद्धा की उल्टी तस्वीर टांग दी है। साथ ही घोषणा की है कि जो भी व्यक्ति उसे ढूंढकर घर लाएगा, उसे 51 हजार रुपए इनाम दिया जाएगा। यह वही तरीका है जिसे कुछ समय पहले राजा रघुवंशी हत्याकांड की मास्टरमाइंड सोनम रघुवंशी के पिता ने भी अपनाया था।

एमआईजी थाना पुलिस के मुताबिक, श्रद्धा घर से निकलते समय अपना मोबाइल वहीं छोड़ गई थी। तब से उसका उसकी सहेलियों और अन्य परिचितों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। शुरुआती जांच में पुलिस ने उसकी एक सहेली से पूछताछ की, जिसमें सामने आया कि श्रद्धा को परिजन की फटकार मिली थी। पुलिस को अब तक तीन जगहों से सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इनमें श्रद्धा पहले घर के पास से जाती हुई दिखी, फिर गली से निकलकर लोटस शोरूम के सामने से होते हुए एमआर-4 की ओर जाती नजर आई। इन आधारों पर पुलिस को आशंका है कि वह उज्जैन की ओर जा सकती है। आगे की जांच के लिए पुलिस की टीमें अन्य फुटेज खंगाल रही हैं। परिजनों का मानना है कि उल्टी तस्वीर टांगने से गुमशुदा व्यक्ति वापस लौट आता है। इसी विश्वास के चलते परिवार ने यह कदम उठाया है। वे उसकी सुरक्षित वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं। श्रद्धा के परिवार ने घोषणा की है कि उसे ढूंढकर लाने वाले को 51 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। परिवारजन और मित्रों ने सोशल मीडिया पर अपील करते हुए कहा है कि लोग उसकी तलाश में मदद करें और किसी भी जानकारी को तुरंत साझा करें।

पंद्रह दिन पहले भी भूपेंद्र कर चुका था आत्महत्या की कोशिश

इति तिवारी से 'इतिश्री' चाहता था

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में बार संचालक भूपेंद्र रघुवंशी आत्महत्या केस में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अभी परिजनों के बयान नहीं हुए है, लेकिन भूपेंद्र के नौकर, ड्रायवरों से पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि भूपेंद्र ब्लैकमेल करने वाली इति तिवारी के कारण मानसिक तनाव में था। वह ज्यादातर समय एकांत में रहता था। पंद्रह दिन पहले भी उसने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। इति तिवारी से भूपेंद्र की दो साल पहले उसके ही पब में मुलाकात हुई थी। वह अपनी बहन व दोस्तों के साथ

पार्टी में आई थी। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हो गई। इति का एक घर महालक्ष्मी नगर में है। उसकी जॉब मुंबई में लगी, लेकिन वह हर सप्ताह इंदौर आती थी। वह हमेशा भूपेंद्र पर नजर रखती थी। लगातार विवाद करने, रेप का केस दर्ज कराने की धमकियों के कारण भूपेंद्र इतना तनाव में रहने लगा था कि वह इति का सामना करने से डरता था। वह धमकियां देने के लिए वाट्सअप कॉल करती थी। पुलिस अब भूपेंद्र को मोबाइल के डेटा की जांच करेगी, ताकि इति के खिलाफ सबूत एकत्र हो सके। इति की हरकतों का पता भूपेंद्र की पत्नी को भी था। पुलिस पत्नी के भी बयान लेगी। यदि पर्याप्त सबूत मिले तो पुलिस इति तिवारी के खिलाफ आत्महत्या का केस भी दर्ज कर सकती है। आपको बता दें कि इंदौर में पब संचालक भूपेंद्र ने जहरीला इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके पास से पुलिस ने सुसाइड नोट भी बरामद किया है।

कुष्ठ आश्रम में गणेशजी की स्थापना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। समाजसेवा और धार्मिक आस्था को जोड़ते हुए बुधवार को शहर में एक अनोखा आयोजन हुआ। 'अन्धन को आंख देत, कोढ़न को काया' मुहिम के तहत गणेश चतुर्थी पर कुष्ठ रोगियों के बीच गणेश स्थापना की गई। यह कार्यक्रम डॉक्टर कॉलोनी स्थित कुष्ठ सेवा सदन में आयोजित हुआ, जहां अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक गुरु कृष्णा गुरुजी के सानिध्य में गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-पाठ और आरती संपन्न की गई। कार्यक्रम का यह सातवां वर्ष था, जिसमें गणेश आरती को मानव सेवा से जोड़ने की परंपरा निभाई गई। इस अवसर पर विघ्नहर्ता 2025 के प्रथम सम्मान से जसंता बाई को नवाजा गया। जसंता बाई स्वयं कुष्ठ रोग से पीड़ित हैं, लेकिन इसके बावजूद वर्षों से आश्रम में रहकर अन्य रोगियों की सेवा और देखभाल करती आ रही हैं। उनकी निस्वार्थ सेवा भावना को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया।

जूना गणेश मंदिर, जहां देश विदेश से जुड़ते हैं भक्त मोबाइल पर सुनाई जाती हैं मनोकामनाएं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के जूनी क्षेत्र में स्थित यह शहर का सबसे प्राचीन गणेश मंदिर, जिसे जूना गणेश मंदिर कहा जाता है, 16 17वीं शताब्दी में स्थापित किया गया था। शहर की बसाहट कान्ह और सरस्वती नदी के आसपास होने के कारण जूनी इंदौर में सबसे घनी आबादी बसती थी, और यही कारण है कि प्राचीन मंदिर भी इसी क्षेत्र में स्थित हैं। इतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, होलकर रियासत के संस्थापक मल्हारराव होल्कर और महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने मंदिर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुजारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी थी। दिसंबर 1759 के बाद, तुकोजीराव और द्वारकाबाई होल्कर ने भी मंदिर की देखरेख के लिए आदेश जारी किए। उस समय वेदमूर्ति हनुमंत भट्ट इस मंदिर के पुजारी थे। मंदिर के पास मुकाती का बाड़ा था, जिसमें ब्राह्मण परिवार रहते थे। अहिल्या बाई के कार्यकाल में यह क्षेत्र प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र भी था। जून 1767 और 1784 में लिखे पत्रों में मंदिर की व्यवस्था और पुजारी को भूमि दान देने का जिक्र मिलता है। जुना गणेश मंदिर आज भी श्रद्धालुओं का प्रमुख केंद्र है। इंदौर के बाहर और विदेशों में रहने वाले भक्त पुजारी से मोबाइल फोन के माध्यम से अपने मनोकामनाओं का निवेदन करते हैं। कई श्रद्धालुओं का मानना है कि उनकी इच्छाएं इस मंदिर में पूर्ण होती हैं। मंदिर का द्वार और परिसर में निर्मित भवन अति प्राचीन है। यह नदी के किनारे स्थित टीले पर होने के कारण और भी विशेष महत्व रखता है।

महापौर-निगमायुक्त ने किया पूजन-अर्चन बैंडबाजे के साथ लेकर आए गणपति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। **गणेश चतुर्थी पर इंदौर के नगर निगम में भी गणपति बप्पा की प्रतिमा विराजित की। गणेश प्रतिमा को राजबाड़ा से नगर निगम प्रांगण तक बैंडबाजे के साथ लाया गया। इसके बाद नगर निगम इंदौर परिसर में विधि-विधान से गणेश प्रतिमा की स्थापना की। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त शिवम वर्मा, एमआईसी मेंबर व श्री गणेश उत्सव समिति अध्यक्ष नंदकिशोर पहाड़िया, अश्विनी शुक्ल द्वारा पूजन-अर्चन किया गया।**

गणेशजी के पूजन-अर्चन के दौरान महापौर भार्गव, निगमायुक्त वर्मा के साथ ही सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भगवान श्री गणेश से लोगों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय वातावरण बने रहने की प्रार्थना की। महापौर ने कहा कि विघ्नहर्ता गणेशजी सभी बाधाओं को दूर कर इंदौर को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर करें। उन्होंने समस्त शहरवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। निगमायुक्त वर्मा ने कहा कि इंदौरवासियों की मेहनत और सहयोग से शहर ने देशभर में स्वच्छता और विकास की नई पहचान बनाई है, और हम सभी को मिलकर इसे आगे और सशक्त बनाना है। नंदकिशोर पहाड़िया और अश्विनी शुक्ल ने भी गणेशजी से शहर के सर्वांगीण विकास और लोगों की खुशहाली के लिए मंगलकामना की।

पीएम आवास जीवन में

सपनों को हकीकत में बदलने वाली योजना : महापौर

◆ गणेश चतुर्थी पर्व पर 251 हितग्राहियों के गृह प्रवेश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत इंदौर नगर निगम कई लोगों को अपना खुद का आवास उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर नगर निगम ने ताप्ती परिसर में आयोजित प्रोग्राम में 251 हितग्राहियों को आवास के अधिकार के लेटर दिए। ये

लेटर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक मधु वर्मा ने बांटे। महापौर ने हितग्राहियों के गृह प्रवेश समारोह में शामिल हुए।

महापौर ने कहा पीएम आवास योजना गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में सपनों को हकीकत में बदलने वाली योजना सिद्ध हो रही है। इंदौर नगर निगम का लक्ष्य है कि शहर का प्रत्येक जरूरतमंद परिवार अपने घर का मालिक बने और सम्मानपूर्वक जीवन जी सके।विधायक मधु वर्मा ने कहा कि पीएम आवास योजना ने इंदौर सहित पूरे देश में आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा है। नए घर पाकर लोगों के जीवन में सुरक्षा, स्थिरता और आत्मविश्वास का भाव जाग्रत हुआ है। इस मौके पर एमआईसी मेंबर बबलू शर्मा सहित कंचन गिदवानी, अपर आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडे, जनप्रतिनिधि व कई स्थानीय लोग शामिल हुए।

बाबा महाकाल की कृपा से सिंहस्थ-2028 पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा : मुख्यमंत्री

उज्जैन में तीर्थाटन को दिया जाएगा बढ़ावा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा महाकाल की कृपा से इस बार उज्जैन में सिंहस्थ-2028 पिछले सभी रिर्काड तोड़ेगा। उज्जैन में तीर्थाटन को बढ़ावा दिया जायेगा और उज्जैन के विकास में किसी प्रकार कि कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन में लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव महाआयोजन समिति द्वारा आयोजित मिट्टी की गणेश प्रतिमा वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक मंगलकामना दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान श्रीगणेश का पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में श्रीगणेश को प्रथम पूज्य देवता माना गया है। रिद्धि सिद्धि दाता शुभ कार्य को सफल बनाते हैं, इसलिए हर मंगल कार्य के आरंभ में श्रीगणेश की वंदना अनिवार्य समझी गई है। हमारी प्रकृति का यही संदेश है कि घर-घर में मिट्टी के श्रीगणेश हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वदेशी के वातावरण के साथ मिट्टी के गणेश के वितरण का उत्सव मनाया जा रहा है। यह हमारे लिए आनन्द का उत्सव है। भगवान की कृपा से देश के विकास के साथ प्रदेश का विकास हो रहा है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। उज्जैन शहर का निरंतर सौन्दर्यीकरण कार्य किया जा रहा है। साथ ही सड़क निर्माण, चौड़ीकरण आदि कार्यों के साथ शीघ्र ही शहर में फ्लाईओवर का निर्माण किया जायेगा। पीथमपुर-इंदौर-उज्जैन तक मेट्रो ट्रेन भी चलेगी। गोपाल मंदिर चौक का शीघ्र विस्तारीकरण किया जायेगा।

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने स्वागत भाषण और कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूर्ति वितरण कार्यक्रम में लगभग 300 मिट्टी से बनी मूर्तियों का वितरण शहर की विभिन्न समितियों और संगठनों को किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विधायक श्री जैन, महापौर मुकेश टटवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव, संजय अग्रवाल आदि ने आत्मीय स्वागत किया और उन्हें श्रीगणेश की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में विवेक जोशी, रूप पमनानी, रमेशचंद्र शर्मा, सत्यनारायण खोईवाल, विशाल राजोरिया, शिवेंद्र तिवारी, ओम जैन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। संचालन जगदीश पांचाल ने किया।

सरकार ने नहीं सुनी तो खुद ही बना डाला लकड़ी का पुल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा, एजेंसी। मध्यप्रदेश के रीवा जिले से एक हैरान करने वाला नजारा सामने आया है। यहां एक गांव की महिलाएं और बच्चे जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं। यहां के लोगों ने अपने ही हाथ से बासं और बल्ली का पुल बनाया है। एक वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि एक महिला अपना चप्पल हाथ में लेकर डरी सहमी और घबराती हुई धीरे-धीरे पुल पार कर रही है।

दरअसल, पूरा मामला रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा के रौली टोला मूसेलहा का है। जहां पर ग्रामीण लंबे समय से सड़क और पुलिया निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन सब कुछ कागजों में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। नदी को पार करने के लिए लोगों ने इस पुल को खुद बनाया है। यहां के लोग इसे मौत के कुएं की संज्ञा देते हैं। इस पुल को पार करने के लिए ग्रामीण अपनी जान को जोखिम में डालने के लिए मजबूर हैं। यह सिलसिला कई सालों से चल रहा है। ग्राम पंचायत रौली टोला मूसेलहा कि यह तस्वीर विकास के दावों की सच्चाई खोलने के लिए पर्याप्त है। इस इलाके के लोगों के आने-जाने के लिए यह साधन है। जहां पर गरीब मजदूर और ग्रामीण रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर खतरनाक राह से गुजरने को मजबूर हैं। कहने को तो ग्राम पंचायत है, लाखों करोड़ों रुपए आते हैं, लेकिन जाते कहां है? इस बात की जानकारी गांव के किसी भी व्यक्ति को नहीं है। वहीं कलेक्टर रीवा का कहना है कि हम पता करवा रहे हैं। कहां क्या दिक्कत है। इस मार्ग को छोड़कर इस गांव में जाने का क्या और भी कोई रास्ता है, या केवल यही है।

अब नियुक्तियों की तैयारी में प्रदेश भाजपा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम के गठन की तैयारी अंतिम चरण में है। प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद जिला पदाधिकारी बनाए जाएंगे। तीसरे चरण में निगम- मंडल में नियुक्तियों की बारी आएगी। जिलों में चल रही खींचतान के चलते जिला कार्यकारिणी गठन का कार्य आगे भी बढ़ाया जा सकता है। वजह यह है कि भोपाल, इंदौर सहित कई जिलों में मंत्री, सांसद और विधायक अपने समर्थकों को जिला कार्यकारिणी में स्थान दिलाना चाहते हैं।

भिंड में भाजपा विधायक ने कलेक्टर पर उठाया हाथ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भिंड, एजेंसी। भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया। इस दौरान उन्होंने गाली-गलौज की। कलेक्टर ने कहा कि रेत चोरी नहीं चलने दूंगा, इस पर विधायक ने उन्हें ही चोर कहा। समर्थक भी भिंड कलेक्टर चोर है की नारेबाजी करते रहे। दरअसल, विधायक कुशवाह जिले में खाद संकट को लेकर कलेक्टर के बंगले के बाहर धरने पर बैठे थे। वे कलेक्टर से बाहर आकर बात करने की मांग कर रहे थे, लेकिन कलेक्टर ने उनकी बात नहीं सुनी। इस पर कुशवाह भड़क गए। उन्होंने धमकाते हुए कहा कि आज पब्लिक को तुम्हारे घर में घुसेड़ दूंगा। भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर आवास पर पहुंचे थे। यहां कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव मेन गेट पर आए। यहां विधायक ने तू-तड़ाक शुरू किया। इस पर कलेक्टर नाराज हो गए। कलेक्टर ने उंगली दिखाई और कहा औकात में बातचीत करना। विधायक कुशवाह ने आंखें दिखाते हुए दांतों को पीसते हुए मुक्का बांधकर दिखाया। इस पर समर्थक भी गुस्साए और कहा कि औकात से बोलना। फिर नारेबाजी की। इस समय कलेक्टर गेट के अंदर को हुए। विधायक कुशवाह ने फिर थप्पड़ मारने के लिए हाथ दिखाया। तभी गार्ड आगे आए। उन्होंने कलेक्टर को भीतर करते हुए विधायक और कलेक्टर के बीच गेट पर हाथ रख लिए।

आरआई ने कॉन्स्टेबल को बेल्ट से पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खरगोन। पालतू डॉग के गुम होने से नाराज रिजर्व इंस्पेक्टर (आरआई) ने कॉन्स्टेबल की पिटाई कर दी। कॉन्स्टेबल का आरोप है कि आरआई और उनकी पत्नी ने जातिसूचक अपशब्द कहे और बेल्ट से पीटा। मामला 23 अगस्त का है। सोशल मीडिया पर चोटें दिखाने का वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित कॉन्स्टेबल राहुल चौहान ने बुधवार को अजाक (अनुसूचित जाति/जनजाति) थाने में लिखित शिकायत दी है। इस वीडियो में वह अपने हाथ, पैर, कमर और पीठ पर पड़े नीले निशान दिखा रहा है। एसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। 23 अगस्त की रात करीब 10 बजे गुमा डॉग 20 घंटे बाद अगले दिन शाम को घर के पास ही मिल गया।

प्रेमानंद और रामभद्राचार्य के विवाद में कूदे बागेश्वर बाबा, धीरेंद्र शास्त्री ने कहा-

कुछ लोग सनातन की धज्जियां उड़वा रहे हैं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छतरपुर। प्रेमानंद महाराज और रामभद्राचार्य के बीच चल रहे विवाद पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संतों को आपस में लड़ाना चाह रहे हैं। दोनों का विवाद दिखाने से सनातन का नुकसान होगा। यह सोशल मीडिया का विषय नहीं है।

दरअसल, एक पॉडकास्ट में जगतगुरु रामभद्राचार्य से पूछा गया कि प्रेमानंद महाराज के पास चमत्कार है? इस पर उन्होंने कहा कि हम किसी चमत्कार को नहीं मानते। उनके पास कोई चमत्कार नहीं है। वे एक शब्द संस्कृत का बोलकर दिखाएं। तो मैं जान लूं। रामभद्राचार्य का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो प्रेमानंद के समर्थकों ने कहा कि यह रामभद्राचार्य का अहंकार बोल रहा है। रामभद्राचार्य को लेकर लोग ऐसी कई तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। हालांकि बाद में रामभद्राचार्य ने इस पर अपनी सफाई देते हुए कहा कि प्रेमानंद मेरे पुत्रवत हैं। मेरे मन में उनके खिलाफ कोई ईर्ष्या नहीं है। अब बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हमारे गुरुदेव रामभद्राचार्य का एक संदेशा खूब वायरल हो रहा है। एक पॉडकास्ट में एक पत्रकार ने पूछा कि प्रेमानंद महाराज के पास चमत्कार है। गुरुदेव ने कहा कि हम चमत्कार को नहीं मानते हैं। शास्त्री ने आगे कहा कि सच बात है। वे हमारे लिए भी कह देते हैं कि हम चमत्कार के चक्कर में नहीं पड़ते हैं। हम बजरंग बली और राम जी के चक्कर में पड़ते हैं। शास्त्री ने प्रेमानंद महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने भजनों के माध्यम से युवाओं को सनातन से जोड़ा। वहीं रामभद्राचार्य ने राम मंदिर के लिए सुप्रीम कोर्ट में रामलला के पक्ष में विजय प्राप्त की। शास्त्री ने जोर देकर कहा कि दोनों अपनी-अपनी जगह वंदनीय हैं। हमें गुरुजी के स्वभाव का पता है। उनके मन में कभी किसी के प्रति ईर्ष्या नहीं रही। बाबा ने आगे कहा कि दोनों को लोग सोशल मीडिया पर लड़ाना चाह रहे हैं।

संपादकीय

भारत-चीन के करीब आने से अमेरिका होगा कमजोर?

हिमालय की ऊंचाइयों पर पांच साल पहले हुई खूनी झड़प से जमी हुई भारत-चीन संबंधों की बर्फ अब पिघलती दिख रही है। भारत-चीन के बीच यह बदलाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक दबाव के बीच सामने आया है। 2018 के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह चीन की यात्रा पर रवाना होंगे, जहां वे राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 50% तक का टैरिफ लगा दिया है। 2020 में विवादित सीमा पर हुए हाथापाई और पत्थरबाजी वाले खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने भिड़ गए थे। अब वही दोनों नेता आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए हाथ मिलाने की तैयारी में हैं। इस सम्मेलन में मोदी के अलावा रूस, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देशों के नेता भी शामिल होंगे। बीजिंग का दावा है कि यह शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। इस संगठन की स्थापना रूस और चीन ने क्षेत्रीय सुरक्षा व वैश्विक शक्ति संतुलन को नया आकार देने के लिए की थी। भारत की मौजूदगी इस बात का सबसे बड़ा संकेत है कि एशिया की दो प्रमुख ताकतों के बीच रिश्तों में गर्माहट लौट रही है। यह समीकरण अमेरिका की उन कोशिशों को कमजोर कर सकता है, जिनके तहत उसने भारत को चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अपने साथ खड़ा करने की रणनीति बनाई थी। CNN के मुताबिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत-चीन के बीच रिश्तों में सुधार की प्रक्रिया पहले से चल रही थी, लेकिन ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने मोदी और शी-दोनों राष्ट्रवादी नेताओं-को मजबूरी में साझेदारी तलाशने के लिए प्रेरित किया। खासतौर पर रूस से भारत की तेल खरीद पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने मोदी को खासी परेशानी में डाल दिया है। बेंगलुरु स्थित तक्षशिला इंस्टीट्यूशन के इंडो-पैसिफिक स्टडीज के प्रमुख मनोज केवालरमणि का कहना है कि ट्रंप की नीतियों ने नई दिल्ली को बीजिंग की तरफ तेजी से कदम बढ़ाने पर मजबूर किया है, हालांकि यह मुख्य वजह नहीं है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को खोना अमेरिका के लिए सबसे बड़ा झटका होगा। बीते हफ्ते चीनी विदेश मंत्री वांग यी और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बाद दोनों पक्षों ने संबंधों में हालिया सुधार को स्वीकार किया। मोदी ने कहा कि भारत-चीन संबंध आपसी हितों और संवेदनशीलताओं के सम्मान के आधार पर स्थिरता की ओर बढ़ रहे हैं। स्थाई और रचनात्मक रिश्ते न सिर्फ क्षेत्र बल्कि पूरी दुनिया की शांति और समृद्धि में योगदान देंगे। वहीं, वाशिंगटन स्थित स्टिमसन सेंटर की विश्लेषक युन सन के मुताबिक, बीजिंग का मानना है कि यह सुलह ट्रंप की वजह से शुरू हुई। हालांकि विशेषज्ञ इस सम्मेलन को किसी बड़े रणनीतिक बदलाव की शुरुआत नहीं मानते। केवालरमणि के अनुसार, 'यह अमेरिका से दूरी बनाने का संकेत नहीं है। अमेरिका भारत का सबसे अहम साझेदार है, लेकिन चीन हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी है, और हमें उसके साथ रहना ही होगा।' सीएनएन के मुताबिक भारत-चीन संबंधों की कहानी दोस्ती से प्रतिद्वंद्विता तक पहुंची है। 1950 में भारत ने सबसे पहले चीन के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किए थे। शुरुआती दौर में दोनों देशों ने एशियाई एकता का सपना देखा था, लेकिन 1962 का युद्ध इस रिश्ते में गहरी दरार डाल गया। इसके बाद दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश की, लेकिन 2020 की गलवान घाटी की झड़प ने 20 भारतीय और 4 चीनी सैनिकों की जान ले ली और अविश्वास और गहरा कर दिया। ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी-शी मुलाकात के बाद से रिश्तों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौट रही है। दोनों देशों ने महामारी के दौरान बंद हुई सीधी उड़ानें फिर शुरू करने पर सहमति जताई, बीजिंग ने पांच साल बाद भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए तिब्बत के दो मार्ग खोले और आपसी पर्यटक वीजा जारी करने की प्रक्रिया भी बहाल हुई। भारत का यह कदम उसकी 'रणनीतिक स्वायत्तता' नीति का हिस्सा है। एक ओर वह चीन-प्रभुत्व वाले एससीओ में सक्रिय है, तो दूसरी ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' में भी सहयोग बनाए हुए है। भारत-चीन सीमा विवाद अब भी अनसुलझा है और दोनों ओर हजारों सैनिक तैनात हैं। बीते दिनों दोनों देशों ने सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए 10 सूत्रीय समझौता किया, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि असली परीक्षा जमीन पर भरोसा कायम करने की होगी। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की विश्लेषक तन्वी मदान के मुताबिक, यह देखना अहम होगा कि नेताओं के बयानों का जमीनी हकीकत में भी असर दिखता है या नहीं। एशिया सोसाइटी की फारवा आमिर का कहना है कि भविष्य में शायद भारत-चीन संबंध अधिक स्थिर हों-जहां प्रतिस्पर्धा बनी रहे, लेकिन टकराव न हो।

isha

जब आप काम आदतन करते हैं, तो ये आसान लगता है, पर सचेतन काम किए बिना कोई विकास नहीं होता।

– जग्गी वासुदेव

धर्म-कर्म

8 सितंबर को प्रतिपदा का श्राद्ध, जानें श्राद्ध के अंत में कैसे पितरों से प्रार्थना करें

भाद्रपद मास की पूर्णिमा और अश्विन मास की प्रतिपदा से श्राद्ध पक्ष शुरू हो जाता है। शास्त्रों में लिखा है कि आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में यमपुरी से पितर अपनी संतानों, वंशजों से पिंडदान और जल लेने के लिए पृथ्वी पर आते हैं। इसलिए उनके तृप्ति के लिए इस पक्ष में हमें उनका श्राद्ध और तर्पण करना चाहिए। जिस दिन उनके निधन की तिथि हो, उस दिन प्रातः काल उठकर नदी, तालाब व गंगा में स्नान कर तिल, अक्षत, द्रव्य, फूल व हाथ में कुश लेकर वैदिक मंत्रों के साथ जल तर्पण करने से शांति के साथ मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसा कहा जाता है कि श्राद्ध पक्ष में पंचबलि कर्म अर्थात देव, पीपल, गाय, कुत्ते और कौवे को अन्न जल देने से पितृदेव प्रसन्न होते हैं। इसी के साथ ही चीटीं और मछलियों को भी अन्न देना चाहिए। जब श्राद्ध कर लें तो इस प्रकार प्रार्थना करनी चाहिए-

दातारो नोऽभिवर्धन्तां वेदाः संततिरेव च॥ श्रद्धा च नोमा व्यगमद् बहु देयं च नोऽस्त्विति।

-पितृगण। हमारे यहां दाताओं, वेदों ओर संतानों की वद्धि हो, हमारी श्रद्धा कभी न घटे, देने के लिए हमारे पास बहुत सम्पत्ति हो। इस मंत्र का उच्चारण करते हुए श्राद्धकर्ता प्रसन्नता के साथ यथाक्रम पितरों का विसर्जन करें। श्राद्धकर्ता उन सभी आमंत्रित किए हुए ब्राह्मणों की प्रदक्षिण करें और फिर दक्षिणा देते हुए उन्हें विदा करे। इसके पश्चात् श्राद्ध से बचे अन्न का भोजन करके उस रात्रि में ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करे।

◆पितृपक्ष की तिथियां

8 सितंबर, सोमवारः प्रतिपदा श्राद्ध 9 सितंबर, मंगलवारः द्वितीया श्राद्ध 10 सितंबर, बुधवारः तृतीया श्राद्ध 10 सितंबर, बुधवारः चतुर्थी श्राद्ध 11 सितंबर, गुरुवारः पंचमी श्राद्ध 12 सितंबर, शुक्रवारः षष्ठी श्राद्ध 13 सितंबर, शनिवारः सप्तमी श्राद्ध 14 सितंबर, रविवारः अष्टमी श्राद्ध 15 सितंबर, सोमवारः नवमी श्राद्ध 16 सितंबर, मंगलवारः दशमी श्राद्ध 17 सितंबर, बुधवारः एकादशी श्राद्ध 18 सितंबर, गुरुवारः द्वादशी श्राद्ध 19 सितंबर, शुक्रवारः त्रयोदशी श्राद्ध 20 सितंबर, शनिवारः चतुर्दशी श्राद्ध 21 सितंबर, 2025 रविवारः सर्वपितृ अमावस्या।

Uttarpradesh

बुजुर्ग पिता को छह दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, बेटे ने ठगों को दिए 1.29 करोड़; सीबीआई अफसर बने थे ठग

लखनऊ, (एजेंसी) मनी लांड्रिंग का आरोप लगाकर साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग को छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। बुजुर्ग पिता ने बेटे को जानकारी दी तो वह भी डर गया। बेटे ने ठगों को 1.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस मामले में सैनिक हाउसिंग सोसाइटी निवासी मर्चेंट नेवी से सेवानिवृत्त अधिकारी सुरिंद्र पाल सिंह ने सरोजनी नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

सुरिंद्र पाल सिंह (70) के मुताबिक उनके पिता हरदेव सिंह की उम्र करीब 100 वर्ष है। 20 अगस्त को पिता के मोबाइल फोन पर अंजान नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने खुद को सीबीआई अफसर आलोक सिंह बताया। उसने हरदेव सिंह पर मनी लांड्रिंग का आरोप लगाते हुए अरेस्ट वारंट जारी होने की बात कही। इसके बाद वाट्सएप कॉल कर डिजिटल अरेस्ट किए जाने की बात कही। ठग के दूसरे साथी ने भी फोन कर डिजिटल अरेस्ट किए जाने की बात दोहराई। इसके बाद वेरीफिकेशन के नाम पर हरदेव को डराकर उनके उनके बैंक के खातों से जुड़ी जानकारियां ले लीं। सुरिंद्र पाल सिंह शाम को घर पहुंचे तो पिता ने उन्हें पूरी बात बताई। अरेस्ट वारंट का नाम सुनकर सुरिंद्र भी डर गए। सुरिंद्र ने बताया कि उनका और पिता का संयुक्त खाता बैंक ऑफ इंडिया सरोजनीनगर में है। सुरिंद्र ने बैंक जाकर आरटीजीएस के माध्यम से 21 अगस्त को ठगों के बताए गए बैंक ऑफ बड़ौदा भावनगर के खाते में 32 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

Bihar

तालाब में डूबने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

पटना, (एजेंसी) बिहार में पटना के शाहपुर इलाके के बाबूचक गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां गांव के एक ही परिवार के तीन मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई. इस घटना ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है. मृतकों की पहचान सोनू राय के पुत्र कमल व रोहित और उनके चचेरे भाई आयुष के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, तीनों बच्चे गांव के पास स्थित तालाब में नहाने गए थे. इसी दौरान खेलते-खेलते अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे. पास में मौजूद ग्रामीणों ने शोर सुना तो मौके पर पहुंचे और बच्चों को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. तीनों की जान नहीं बचाई जा सकी. घटना की खबर जैसे ही गांव में फैली, पूरे इलाके में मातम पसर गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. हर कोई बच्चों की मौत की इस दर्दनाक घटना से गमगीन है. सूचना मिलते ही शाहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. इस घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शी नगीना कुमार ने बताया कि तीनों बच्चे तालाब में नहाने के दौरान अचानक डूब गए. ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी. इस हादसे ने पूरे गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके को झकझोर कर रख दिया है.

Rajasthan

नदी में बह गई कार, 9 में से दो बच्चों समेत 4 लापता

चित्तौड़गढ़, (एजेंसी) राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। बनास नदी की उफान भरी धारा में एक कार बह गई, जिसमें सवार 9 लोगों में से 5 ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। जबकि दो बच्चों और दो महिलाओं समेत चार लोग अब भी लापता हैं। जानकारी के अनुसार, जिले के भूपालसागर क्षेत्र के काना खेड़ा गांव का एक ही परिवार भीलवाड़ा जिले के सवाई भोज में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात वापस अपने गांव लौट रहा था। परिवार की कार जब राशमी उपरेड़ा सेमी पुलिया पर पहुंची तो तेज बहाव का अंदाजा नहीं होने से चालक ने कार पुल पर उतार दी। देखते ही देखते गाड़ी पानी में बह गई। इधर, क्षेत्र के मातृ कुण्डिया बांध के पांच गेट खोले जाने से बनास नदी उफान पर थी। पानी के तेज बहाव के कारण कार पुलिया से नीचे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में जमा हो गए। ग्रामीणों की मदद से कार सवार 5 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। लेकिन दो महिलाओं और दो बच्चों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

Chhattisgarh

छत्तीसगढ़ में एकसाथ 30 नक्सलियों ने डाले हथियार, इनमें से 20 पर घोषित था कुल 81 लाख रुपए का इनाम

बीजापुर, छत्तीसगढ़, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बुधवार को उस वक्त बड़ी कामयाबी मिली जब एकसाथ 30 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से 20 पर कुल 81 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि हथियार डालने वाले माओवादियों में नौ महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी इस बारे में सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए इस सफलता के लिए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के साथ ही सुरक्षाबलों को श्रेय दिया। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नक्सलियों ने पुलिस और CRPF के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 10 लाख रुपए का इनामी एक नक्सली दंपति भी शामिल है, जिसमें से पति सोनू हेमला उर्फ कोरोटी (38) पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

खेल

सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में लगातार दूसरा मैच जीता

मलेशिया की लेत्शाना को हराया, भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी भी जीती

नई दिल्ली, (एजेंसी) डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट भारत की पीवी सिंधु ने BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 16 में एंट्री कर ली है। उन्होंने बुधवार को विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 के मैच में मलेशिया की लेत्शाना कारुपथेवान को सीधे गेम में हराकर बाहर किया। पेरिस में मिक्स्ड डबल्स इवेंट में भी भारतीय जोड़ी को जीत मिली।

पिछड़ने के बाद सिंधु ने वापसी की पहले गेम में एक समय मलेशियन प्लेयर 18-13 से आगे थीं। सिंधु ने यहां से वापसी की और 21-19 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली। हाफ स्टेज तक वे 11-6 से आगे थीं। फिर 21-15 से दूसरा गेम जीता और मैच अपने नाम कर लिया।

मिक्स्ड डबल्स जोड़ी भी जीती ध्रुव कपिला और तनिषा क्रष्टो की मिक्स्ड डबल्स भारतीय जोड़ी को भी राउंड ऑफ 32 में जीत मिली। दोनों ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मौया रायन की जोड़ी को 21-11, 21-16 के अंतर से हराया। राउंड ऑफ 16 में दोनों का सामना हॉन्ग कॉन्ग के तांग चुन मिन और से यिंग सुट से गुरुवार को होगा।

प्रणय और सात्विक-चिराग के मैच बाकी राउंड ऑफ 32 में भारत से मेंस सिंगल्स और डबल्स में भी 1-1 उम्मीद बाकी है। एचएस प्रणय सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-2 डेनमार्क के आंद्रेस एंटोंसेन से भिड़ेंगे। उनसे पहले राउंड ऑफ 64 में भारत के लक्ष्य सेन को वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की से हार का सामना करना पड़ा था। सात्विक-चिराग का सामना चीनी ताइपे के कुआंग हेंग और यांग पो हान से होगा।

सिनेमा

बिकिनी टॉप में छाई अपूर्वा मखीजा, बीच पर दिए किलर पोज, अंदाज पर फिदा फैंस

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा उर्फ 'रेबल किड' किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं. 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के विवाद के बाद अपूर्वा ने 'द ट्रेटर्स' शो से खूब सुर्खियां बटोरीं. अब वो अपने ग्लैमरस लुक से फैंस को क्रेजी कर रही हैं. अपूर्वा मखीजा की अब वेकेशन फोटोज इंटरनेट पर छाई हुई हैं. वेकेशन फोटोज में अपूर्वा काफी बोल्ड एंड सिजलिंग लुक में दिखाई दे रही हैं. उनका स्टाइलिश लुक देखने लायक है. अपूर्वा कुछ तस्वीरों में न्यूड कलर की बिकिनी टॉप में नजर आई. उन्होंने बिकिनी टॉप संग मैचिंग कलर के लूज ट्राउजर को टीमअप किया. ड्रामेटिक कैटी आई मेकअप, ग्लोइंग बेस, ब्लशर और ब्राउन न्यूड लिपस्टिक लगाकर अपूर्वा ने अपना मेकअप लुक कंप्लीट किया. ओपन सॉफ्ट कर्ली हेयर ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए. कुछ तस्वीरों में अपूर्वा व्हाइट बिकिनी टॉप और मैचिंग शॉर्ट स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं. उन्होंने ट्रेंडी स्टारफिश पेंडेंट भी ग्रेसफुली कैरी किया. दोनों ही लुक्स में वो सुपर स्टनिंग लग रही हैं. अपूर्वा ने बीच पर कई किलर पोज दिए. उनके स्टाइल स्टेटमेंट और किलर एटीट्यूड पर फैंस दिल हार रहे हैं. कमेंट सेक्शन में फैंस उनकी तारीफ करते थक नहीं रहे हैं.

Highlights

1. **All judgements open to criticism: Rohatgi on Shah-Oppn VP pick row**
2. **India warns Pakistan of cross-border floods amid monsoon havoc**
3. **Roof seepage, dampness hit Jalandhar govt offices amid rain**
4. **AMCH named Centre of Excellence for rare diseases**
5. **Class 10 boy branded with hot iron, beaten up during ragging in hostel in Andhra**

From a likely US trade deal to 50% tariff, what went wrong for India?

NEW DEIHI, (Agency). US President Donald Trump's additional 25% tariff on Indian exports to the United States took effect on Wednesday, raising duty on some shipments to as much as 50%—the highest globally and on a par with Brazil and Lesotho.

Here is a look at why the additional tariff was imposed, and what it means for India.

Why did the trade talks break down?

India and the US have held five rounds of discussions since April to clinch a trade agreement, but differences over the opening up of India's vast farm and dairy sectors, and its purchases of Russian oil, led to a breakdown of talks. Officials on both sides also blamed political misjudgment and missed signals for the collapse of the talks.

What tariffs were imposed on India?

The US announced a 25% tariff in July on Indian imports, which took effect on 7 August,

as part of Trump's reciprocal tariffs on goods from countries that he said had high barriers to US imports. The US had a $45.8 billion trade deficit with India in 2024.

Hours before the levy took effect, however, Washington announced an additional 25% tariff on Indian goods, citing New Delhi's continued imports of Russian oil, which now constitute about 35% of its total fuel imports, up from 0.2% before the Ukraine war.

This tariff came into effect on Wednesday.

Which sectors will be impacted?

The additional tariff will take total duties to up to 50% for some goods, including garments, gems and jewellery, footwear, sporting goods, furniture, and chemicals, threatening thousands of small exporters and jobs. Goods already in transit to the US before the deadline, however, have been granted a three-week exemption. Steel, aluminium, passenger vehicles, copper and other goods subject to separate tariffs under reciprocal trade programmes are exempted.

How has India responded?

India has promised financial aid, including greater subsidies on bank loans and support for diversification in case of financial losses because of the tariffs, and has identified nearly 50 countries to which it could boost exports. Officials say trade talks with the US are also continuing.

China aims to triple AI chip production in 2026 to cut Nvidia dependency

MUMBAI, (Agency). China's chipmakers want to triple the production of AI chips in 2026 to reduce dependence on Nvidia Corp., according to a Financial Times report.

Huawei Corp. aims to begin production at a plant dedicated to making AI chips by end of 2025, with two more facilities set to launch in 2026, FT said, citing people familiar with the matter. The plants are designed to specifically support Huawei, but their ownership remains unclear.

Huawei told FT that it did not have plans for its own plants.

The combined output could surpass the current production capacity of China's top chipmaker, Semiconductor

Manufacturing International Corporation, FT said.

SMIC plans to next year double manufacturing capacity for 7 nm chips, for which Huawei is its largest customer, the report said.

AI Chip Wars

Beijing is accelerating work on domestic AI chips, with companies developing processors that rival the performance of Nvidia's China-special H20, about which the government has expressed security concerns.

According to a Reuters report in November, Huawei planned to start mass-producing its most advanced AI chip in the first quarter of 2025 despite grappling with the impact of US restrictions.

डीसीपी की बड़े होटल में लग्जरी विदाई पार्टी

वर्दी में पहुंचे अफसर, पुलिसकर्मियों ने बरसाए फूल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के जोन-1 के डीसीपी रहे विनोद मीणा का दो दिन पहले हुए विदाई समारोह का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो के जरिए दावा किया जा रहा है कि समारोह में भव्य आतिशबाजी के बीच डीसीपी का स्वागत-सत्कार किया गया। फूलों की रस्सी बनाकर उनकी गाड़ी को खींचा गया। डीसीपी को सिंहासन गिफ्ट किया गया।

बताया जा रहा है कि यह पार्टी बायपास स्थित आनंदम रिसोर्ट में रखी गई थी। अब इस आलीशान पार्टी की चर्चा पूरे पुलिस महकमे में है। इसके साथ ही इतने बड़े आयोजन को लेकर सवाल भी उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि तेजाजी नगर बायपास स्थित आनंदम रिसोर्ट

आयोजित फेयरवेल पार्टी में जोन-1 के एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा, तेजाजी नगर, गांधी नगर और मल्हारगंज एसीपी भी मौजूद रहे। जोन के सभी टीआई और सिपाही इस शानदार पार्टी के साक्षी बने। डीसीपी मीणा को सोफे पर बैठाकर हार-फूल पहनाए गए और बुके देकर उनका स्वागत किया गया। पार्टी की भव्यता इतनी थी कि डीसीपी की एंट्री और विदाई के दौरान जमकर आतिशबाजी भी की गई। दावा किया जा रहा है कि यह आयोजन जोन-1 के तहत आने वाले सभी थाना प्रभारियों ने मिलकर किया था। इसमें डीसीपी विनोद मीणा को इंदौर से विदाई दी गई। जानकारी के मुताबिक खुफिया विभाग के सिपाही भी इसमें शामिल हुए थे। लग्जरी पार्टी का यह वीडियो सीनियर अधिकारियों तक भी पहुंचा है, लेकिन अब तक उनकी ओर से किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि इस पार्टी के अगले ही दिन पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह और अन्य अधिकारियों ने डीसीपी जोन-1 विनोद मीणा और डीसीपी ऋषिकेश मीणा को प्रशासनिक रूप से अलग से विदाई दी थी। दोनों अफसरों ने इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था। विनोद मीणा का तबादला हाल ही में मंदसौर किया गया है। इससे पहले वह उज्जैन में भी पदस्थ रह चुके हैं। इंदौर में यह उनकी दूसरी पोस्टिंग थी। प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में भी वह पहले भी इंदौर में रह चुके हैं।

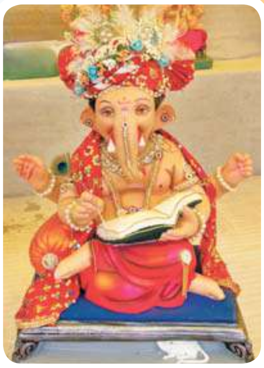

Advocate Bhavesh Gupta द्वारा अपने कार्यस्थल पर गणेशजी की स्थापना पर अपने दादाजी-दादीजी के द्वारा पूजा करवाई गई।

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!
ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए
"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...
गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें।
समाज में जागरुकता फैलाये।

FOLLOW US
DETECTIVE GROUP
Detecting the truth.
091110 50101 | www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक